

जामडोली में खुलेगा दवियांगजनों के लिये प्रदेश का पहला वशिवदियालय

चर्चा में क्यों?

20 मार्च, 2023 को राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने बताया कि राज्य विधानसभा ने दवियांगजन के लिये उच्च शिक्षण एवं अनुसंधान के लिये जयपुर के जामडोली में बाबा आमटे दवियांग वशिवदियालय की स्थापना के वधियक को ध्वनमित से पारित कर दिया है।

प्रमुख बदि

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि 72 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस वशिवदियालय के लिये जमीन चहिनति की जा चुकी है।
- उन्होंने बताया कि बाबा आमटे दवियांग वशिवदियालय दवियांगजनों के लिये प्रदेश का पहला एवं देश का तीसरा वशिवदियालय होगा।
- इस वशिवदियालय की स्थापना से दवियांगजनों को उच्च अध्ययन एवं शोध के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। वशिवदियालय स्थापति करने का उद्देश्य शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के साथ ही दवियांगजनों का पुनर्वास कर उन्हें सक्रम एवं आत्मनिर्भर बनाना है।
- यह वशिवदियालय पूर्णतया आधुनिक होगा, जिसमें वाई-फाई, स्मार्ट क्लास रूम, मॉडर्न कंप्यूटर लैब, प्रोजेक्टर इत्यादि की सुविधा उपलब्ध होगी। वशिवदियालय का भवन दवियांगों की सुविधा को देखते हुए पूर्णतया बाधारहति बनाया जाएगा।
- मंत्री टीकाराम जूली ने बताया कि वशिवदियालय में बी.एड. बौद्धिक दवियांगता, डिप्लोमा इन साइन लैंग्वेज इत्यादि पाठ्यक्रम के साथ-साथ नयिमति पाठ्यक्रम भी संचालित किये जाएंगे। पाठ्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2023-24 से होगी तथा वशिवदियालय में प्रवेश हेतु दवियांग छात्र-छात्राओं को प्राथमकता दी जाएगी।